

Positive Story of Nagpur Rural Police

दिनांक १६/०८/२०२५

नागपुर ग्रामीण जिल्ह्यात पोलीस स्टेशन देवलापार अंतर्गत प्राणांतीक अपघातातील दोषी वाहन आणि चालक निष्पन्न कृत्रिम बुद्धीमत्ता मार्वेल (Artificial intelligence - MARVEL) द्वारे घेतला आरोपीचा शोध

दिनांक १०/०८/२०२५ रोजी अमित भुरा यादव, वय ३५ वर्ष, रा.लोणारा, पोस्ट गुमती, जिल्हा नागपूर हा त्याची पत्नी नामे ग्यारसी अमित यादव, वय ३० वर्ष हीचे सह मोटर सायकल जात असतांना देवलापार हद्दीतील मोरफाटा दर्गाह शिवारात झालेल्या अपघातात ग्यारसी अमित यादव या अपघातात मयत झाल्या. फिर्यादी नामे अमित भुरा यादव याचे बयाणावरून पोस्टे देवलापार येथे दिनांक ११/०८/२०२५ रोजी अपराध क्रमांक ३५४/२०२५ कलम २८१, १०६ (१) भा.न्या.स अधिनियम २०२३ सहकलम १८४, १३४(ब) मोटर वाहन अधिनियम १९८८ अन्वये गुन्हा नोंद करून तपासात घेण्यात आला.

सदर गुन्ह्यात आरोपी आणि वाहन निष्पन्न नव्हते.सदर गुन्ह्याचे तपासात देवलापार पोलीसांनी मा. श्री हर्ष ए. पोद्दार, पोलीस अधिक्षक, नागपुर ग्रामीण जिल्हा यांच्या मार्गदर्शनात कृत्रिम बुद्धीमत्तेचा वापर करत (Artificial intelligence -MARVEL) द्वारे सी.सी.टी.व्ही. फुटेज ची तपासणी करून सदर गुन्ह्यात अपघात करणारे वाहनाचा क्रमांक यु.पी. १४ एम.टी.२१९० (लाल रंगाचा टाटा कंपनीचा ट्रक) निष्पन्न करून नमुद वाहनाचा चालक नामे सत्यपाल राजेंद्र, वय २८ वर्षे, रा. नगला खरीक, महोई, फरूखाबाद, राज्य उत्तरप्रदेश याला दिनांक १६/०८/२०२५ रोजी त्याच्या घरून वाहनासह ताब्यात घेतले आहे. आरोपी आणि वाहनाबाबत काहीही सुगावा नसतांना कृत्रिम बुद्धीमत्ता मार्वेल (Artificial intelligence -MARVEL) द्वारे पोलीसांनी सदर गुन्ह्यात आरोपी आणि वाहन निष्पन्न केले आहे.

तकनीक ग्रामीण पुलिस की उपलब्धि, बाइक को मारी थी टक्कर

‘एआई’ से ढूंढा 700 किमी दूर फरार ट्रक चालक को

लोकमत समाचार सेवा

आरोपी को खोजने में ‘एआई’ की मदद

नागपुर : तेज गति से आ रहे ट्रक की टक्कर से बाइक पर पति के साथ आ रही एक महिला की महामार्ग पर मौत हो गई। दुर्घटना के बाद किसी भी व्यक्ति के मदद के लिए आगे नहीं आने पर, पति ने पत्नी के शव को बाइक से बांधकर किसी तरह घर तक पहुंचाया। इस दर्दनाक घटना की खबर ‘लोकमत समाचार’ में प्रकाशित होने के बाद पुलिस महकमे के साथ-साथ समाज भी हिल गया। नागपुर ग्रामीण पुलिस ने ट्रक चालक की तलाश बुद्धिमान तरीके से की, और अंततः आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से 700 किलोमीटर दूर फरार आरोपी ट्रक चालक को गिरफ्तार कर नागपुर ग्रामीण पुलिस ने भूत महिला शव उसके पति को सौंप दिया।

आरोपी ट्रक चालक सत्यपाल राजेंद्र (28 वर्ष) नगला खरीक, महोई, फर्रुखाबाद, उत्तर प्रदेश निवासी है। इस दुर्घटना में जान खोने वाली भूत महिला का ग्यारहों मिनट यादव (31 वर्ष) लोणारा, पोस्ट मुफ्ती, जिला नागपुर है। ग्यारहों मिनट पति अमित के साथ रविवार 10 अगस्त 2025 को नागपुर-जबलपुर राष्ट्रीय महामार्ग पर दोपहरिया वाहन (क्रमांक एमएच-40/डीबी-1983) से देवलापर मार्ग होते हुए करणपुर आ रही थीं। इसी दौरान देवलापर पुलिस थाना क्षेत्र के नौरफाटा परिसर में ही गिरफ्तारी करीब 3.30 बजे पीछे से तेज रफ्तार से आया ट्रक (अचसर, क्रमांक यूपी-34 एमटी-2190) ने उनकी नौरफाटा किंग को टक्कर मार दी। ट्रक के पहियों के नीचे आने से ग्यारहों की गीके पर ही मृत्यु हो गई। इस घटना के बाद देवलापर पुलिस ने आरोपी ट्रक चालक के खिलाफ धारा 281, 106(1), सहायता 184, 134 (ग) नौर वाहन अधिनियम 1988 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। अंततः ‘एआई मावेल’ की मदद से आरोपी ट्रक चालक को गिरफ्तार करने में नागपुर ग्रामीण पुलिस को सफलता मिल गई।

गंभीर दुर्घटना के बाद मृतक ग्यारहों के पति अमित के पास उस ट्रक के बारे में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं थी, जिसने टक्कर मारी थी। उन्हें न तो ट्रक का प्लेट नंबर पता था, और न ही वह कि वह क्या ट्रक था या छोटा, केवल इतना ही मालूम था कि उस ट्रक पर खाल रंग की बट्टियां बनी हुई थीं। इतनी सीमित जानकारी के आधार पर आरोपी ट्रक चालक को पकड़ना नागपुर ग्रामीण पुलिस के लिए एक बड़ी चुनौती थी। लेकिन, नागपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक हर्ष पोटार के मार्गदर्शन में देवलापर पुलिस ने नार्वेल कंपनी द्वारा विकसित एआई तकनीक का सहारा लिया। पुलिस ने हादसे के स्थल से 25 से 30 किलोमीटर के दायरे में आने वाले तीन दोल नार्थ का सीसीटीवी फुटेज एक्ज किया। इन फुटेज को एआई में दो मलन-अलग एल्गोरिदम से प्रोसेस किया गया। पहले एल्गोरिदम ने उन ट्रकों को मलन किया जिन पर खाल रंग की बट्टियां थीं, दूसरे एल्गोरिदम ने संदिग्ध ट्रक की रफ्तार का विश्लेषण करने रखा। दोनों एल्गोरिदम से प्राप्त जानकारी के आधार पर पुलिस ने ट्रक का नंबर हासिल कर लिया। जांच में स्पष्ट हुआ कि वह ट्रक दुर्घटना के स्थान से लगभग 700 किलोमीटर दूर कानपुर-ग्वलियर हाईवे के पास था। नागपुर ग्रामीण पुलिस की टीम उत्तर प्रदेश पहुंची और आरोपी ट्रक चालक को गिरफ्तार कर लिया।

दुर्घटना के बाद फरार हुए ट्रक का पता लगाना नागपुर ग्रामीण पुलिस के लिए एक बड़ी चुनौती थी। लेकिन हमने ‘एआई मावेल’ की मदद से इस दुर्घटना के लिए जिम्मेदार ट्रक को ढूंढ करने में सफलता पाई। ‘हिट एंड रन’ की घटना में एआई का उपयोग कर सफलता हासिल करने का यह महारत में पहला मामला है।

-हर्ष पोटार
पुलिस अधीक्षक, नागपुर ग्रामीण

मुख्य बिंदु

पीड़ित पति ने पत्नी के शव को बाइक से बांधकर किटोरी तरह घर तक पहुंचाया।
तेज गति से आ रहा ट्रक चालक दुर्घटना के बाद वाहन लेकर फरार हुआ था
नागपुर-जबलपुर राष्ट्रीय महामार्ग पर हुई दुर्घटना का आरोपी अब पुलिस की गिरफ्त में

DAYS AFTER MAN CARRIED WIFE'S BODY ON BIKE

Nagpur Police uses AI to trace truck involved in fatal accident

Nagpur Rural SP says AI analysed four hours of footage from three toll nakas

ANKITA DESHKAR
NAGPUR, AUGUST 17

IN A breakthrough, the Deolapuri police in Maharashtra's Nagpur district have successfully used artificial intelligence-based analysis to identify the vehicle involved in a fatal accident after which the victim's body was carried on a motorcycle by her husband.

Gyarsi Amit Yadav, 30, died when an unidentified vehicle hit the motorcycle she was riding pillion on with her husband Amit Bhura Yadav, a resident of Lonara at Gumti in Nagpur district, in the Morfata Dargah area on August 10. A video of Amit carrying his wife's body on his motorcycle after the accident was widely shared on social media platforms.

Based on Amit's complaint, the police registered a case on August 11 on charges of rash driving and causing death by negligence under Bharatiya Nyaya Sanhita sections 281 (i) and 106 (1) along with Motor Vehicles Act sections 184 and 134(b).

With no initial leads on the accused or the vehicle, investigators turned to the AI-powered system MARVEL (Maharashtra

Research and Vigilance for Enhanced Law Enforcement) under the guidance of Harsh A Poddar, Superintendent of Police, Nagpur Rural, the police said. The system analysed CCTV footage and traced the vehicle involved—a red Tata truck (UP 14 MT 2190).

How AI worked

Harsh A Poddar told The Indian Express that the police used AI algorithms developed at MARVEL to analyse four hours of footage from three toll nakas. While the first algorithm sieved out all the red trucks, the second algorithm did a speed-based calculation of these trucks to identify which truck could be involved.

On the basis of the AI alert generated, the police arrested the accused yesterday from 700 km away near Kanpur.

Explaining that they relied on two independent algorithms to crack this case, Poddar said that the first one was based on computer vision.

"The only clue we had from the victim was that the truck had red markings. Normally, going through four hours of CCTV footage from three toll nakas would take ages of manual ef-

fort. Now, the system scans the footage in just 15 minutes and picks out all vehicles that match the description, in this case, trucks with red markings or a red coloured truck."

He added, "The second algorithm looks at CCTV feeds from different toll nakas and calculates the average speed of vehicles. If there's a mismatch between the expected travel time and the actual time recorded, it signals an anomaly. That anomaly could mean the vehicle met with an accident or stopped somewhere. In this case, there were no petrol pumps on that stretch, so the stop pointed us towards an incident."

"By combining these two independent datasets, red markings and unusual speed patterns, we narrowed it down to a specific truck on the Chandrapur-Delhi highway. We finally intercepted it between Delhi and Kanpur," Poddar said.

The police added that the driver, from Farrukhabad, had no prior criminal record.

It was the precise triangulation of these two systems that led the police straight to him.

On August 16, police teams tracked down and arrested the

driver of the truck, Satyapal Rajendra, 28, a resident of Nagla Kharik village in Mahoi in Farrukhabad, Uttar Pradesh. They also seized the truck.

MARVEL is a special purpose vehicle (SPV) owned by the Maharashtra government, it has been created in collaboration with the Indian Institute of Management (IIM) Nagpur.

The Maharashtra government, IIM Nagpur and Chennai-based Pinaka Technologies entered a tripartite agreement on March 22 in 2024 and the company was registered under The Companies Act, 2013.

MARVEL has been created to enhance intelligence capabilities and improve crime prediction and solving, enabling the state police force to tackle law enforcement more effectively using AI.

Maharashtra has become the first state in the country to create an independent entity for AI in law enforcement.

MARVEL also assists in addressing various crimes, including cases related to missing women and children, fatal accidents, stolen vehicles, and organised gang-related activities, to name a few. It will also assist the cyber cell tackle fraud cases.